भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2012

समय : 3 घन्टे प्रश्न पत्र-॥ कुल अंक : 50 नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कंम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान हैं। भाग-। (षडबल)

- 1. नीचे दिए हुए कुण्डली के आधार पर सभी ग्रहों के उच्च बल की गणना करें :-लग्न-सिंह 16:14, सूर्य-वृष 04:40, चन्द्रमा-वृष 17:41, मंगल-मीन 23:04, बुध-मेष 12:18, बृहस्पति-वृष 16:22, शुक्र-मीन 22:34, शनि-कर्क 17:41, राहु-तुला 00:27 (19:05:1977, 01:08 दोपहर, देशांतर 78:33, अक्षांश 17:27)
- 2. प्रश्न संख्या 1 में दी गई कुण्डली के आधार पर सभी ग्रहों के केन्द्र बल और देष्कोण बल की गणना कीजिये।
- 3. षड्बल क्या है और इसकी उपयोगिता बताएँ।
- 4. भावबल क्या है? भाव बल किन बलो से बनता है?
- 5. इनमें से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त पर टिप्पणी लिखिए :-अ. इष्टफल और कष्टफल आ. सप्तवर्गीय बल
 - इ. नतोन्नत बल

ई. पक्ष बल

भाग-॥ (भाव निर्णय)

- 6. इनमें से किन्हीं दो का उत्तर दीजिये :
 - i) अष्टम तथा द्वादश भावों के कारकत्वों की चर्चा करें।
 - ii) शनि के तीसरे, छठे, अष्टम और द्वादश भाव में होने वाले परिणामों की चर्चा करें।
 - iii) भावात् भावम् नियम से आप क्या समझते है?
- 7. प्रस्तुत जन्मांग का अध्ययन करते हुए दशम भाव के बारे में विचार करे। साथ ही जातक के व्यवसायिक स्थिति पर प्रकाश डालें।

जन्म की तारीख-27.09.1932, जन्म समय-12.00 (दोपहर), जन्म स्थान-लाहौर (पाकिस्तान)

लग्न/ग्रह	राशि	अंश	कला
लग्न	वृश्चिक	17	0.8.
सूर्य	कॅन्या	11	00
चन्द्रमा	सिंह	01	32
मंगल	कर्क	10	57
बुध	कन्या	09	17
बृहस्पति	सिंह	17	11
शुक्र	कर्क	26	06
शॅनि (व)	मकर	0.5	13
राहु	कुम	24	09
केतु	सिंह	24	09

कृपया विस्तार से समझाए

i) नीचभंग राजयोग ii) केन्द्राधिपत्य दोष

9. सप्तम भाव के क्या कारकत्व होंगे? आप मंगल दोल का आंकलन किस प्रकार करेंगे? विस्तार से बताए।

10. जातक की सन्तित को जानने कि लिए बीज स्फुट और क्षेत्र स्फुट का क्या योगदान है? इस जानकारी का किस प्रकार प्रयोग किया जाता है?